

卷之四

[illegible]

५८॥

ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥

महादेव
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पूजा

लेंश संख अष्टी

ॐ गंगाधरनिर्मलासूरनदी गोदावरी
गोमती ॥ गंगाधरगयाप्रयागवदरी

श्रीगणेशायनमः॥ ॥ श्रीमहाग्र्यपूजा॥ लघुल
 पूजा॥ चिस्वाजाकि कयापूजा॥ ॥ वरुनदेवता
 यनमः॥ ॥ नुशला काय॥ ॐ मात्मतत्त्वायस्वा
 हा॥ ॐ विद्यातत्त्वयस्वाहा॥ ॐ शिवतत्त्वयस्वा
 हा॥ ॐ फर॥ ॐ स्वितने॥ ॥ चिस्वाजाकि तया
 सूर्येयात अर्घ्यविय॥ ॥ ॐ क्रौं क्रिं सः श्रीसूर्य
 य अर्घ्यनमः॥ ॥ जाकि स्वातने॥ ॐ मास्करा
 य ईदमाशननमः॥ ॐ पूष्यनमः॥ धूर्पनमः
 ॥

गुरुमंदलपूजा॥ चिस्वाजाकि तयापूजा॥ ॐ
 गुरुभ्योनमः॥ ॐ अस्वन्दमन्दुला कारं व्याप्य
 येराचराचल॥ तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री
 गुरुवेनमः॥ स्वाकयादुये॥ मंदलह्युयेला
 तसिये॥ ॥ गरागुरुमूलनमस्कार॥
 ॐ गंगारोशायनमः॥ खव॥ ॐ गुरुभ्योन
 मः॥ जव॥ ॐ श्रीमहादेव ॐ रामचन्द्र श्री
 ईष्टदेवता येनमः॥ दधुस॥ ॥ तातत्रय

दिगवन्धनं ॥ फ२ ३ फ२ १० ॥ वाउकेकास्वोहं
प्राणाधाम ॥ यं १० पापपूरुषगराके ॥ ॥ रं १०
नीपातियश्चअग्नीवीजनदाहदाहयाय ॥ ॥
यं १० ॥ जवतो लते अमृतवीजनसरीरउत्प
त्तिजुषके ॥ ॥ चन्दनकायालातिसवुष ॥ ॥
न्यास ॥ ॐ ह्रीं अस्त्राय फ२ ॥ ॐ ह्रीं अंगुष्ठाभ्यां न
मः ॥ ॐ ह्रीं त्रिजनिभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रमा
भ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं अनामीकाभ्यां ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं

कनीष्ठाभ्यां वीष्णु ॥ ॐ ह्रीं करतलपृष्ठाभ्यां
अष्टाय फ२ ३ ॥ ॐ ह्रीं हृदयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं
शिरसे नमः ॥ ॐ ह्रीं शिखायै नमः ॥ ॐ ह्रीं कव
चाय नमः ॥ ॐ ह्रीं नेत्रत्रयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं अस्त्र
य नमः फ२ ३ ॥ अर्घ्यासलैस्वतय ॥ ॐ नमः ॥
अर्घ्या पूजा ॥ ॐ ह्रीं हृदयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं शिरसे
नमः ॥ ॐ ह्रीं शिखाय नमः ॥ ॐ ह्रीं कवचाय नमः
॥ ॐ ह्रीं नेत्रत्रयाय नमः ॥ ॐ ह्रीं अष्टाय नमः ॥ ॥

ॐ चन्दनाक्षतपूष्यनमः॥ चोनुमूद्राकथने॥
तार्तुयदिग्वन्धन॥ फर१०॥ सर्वपूजा॥ य
ते॥ ॐ कौं द्रु द पा य ष द गो न मः॥ ॥ अर्घ्य
या ल र व ॥ सर्वया ल र व न दे व पू ज्ञा मः यै व
त हा हा या य ॥ चेतनति य स्वा न दू यै ॥ ॐ आ
त्मने चन्दननमः॥ ॐ आत्मने सिन्धुरं नमः
॥ ॐ अक्षतं नमः॥ ॐ आत्मने पूष्यनमः॥
आत्मने

द्वाने पूजा॥ ॐ क्रौं माहादेवाय रामचन्द्रमाय
आत्मने तृयां जतिपूष्यनमः॥ ३॥ नैवेद्य सो
धन॥ फर३॥ अर्घ्य सर्वया ल र व न हा य ॥ वि
स्वाजा कित य फर॥ लोक पू या वो ने ॥ ॐ यै ॥
ॐ रौं ॥ ॐ वौं ॥ ॐ क्रौं रौं म चन्द्राय नमः॥
तार्तिलदिग्वन्धन फर३॥ तत सूर्य पूजा
ॐ अश्व सजाय नमः॥ ॥ तृया जलि ॥ ॐ क्रौं
किं हंसः श्री सूर्याय नमः॥ ३॥ इदं नैवेद्यं बलिं

गृह्णस्वाहा॥ ॐ आवाहनादिचन्दनाक्षतपूष्प
नमः॥ पद्ममूद्रा॥ जप॥ ॐ क्रौं क्रिं कूं स स्वा
हा॥ १०॥ इदं जपं गृहारा स्वाहा॥ ॥ विष्णुपूजा
ॐ गरुडासनाय नमः॥ ॥ त्रुयाजलि॥ ॐ क्रिं
सः नारायणाय नमः॥ वलि॥ इदं नेवेद्यं व
लिं गृह्णस्वाहा॥ ॐ आवाहनादिचन्दनाक्षत
पूष्पनमः॥ सखमूद्रा॥ जप॥ ॐ क्रिं सः स्वा
हा॥ १०॥ इदं जपं गृहारा स्वाहा॥ ॥ शिवपूजा

ॐ वरुणासनाय नमः॥ ॥ त्रुयाजलि॥ ॐ क्रौं सः
शिवाय नमः॥ वलि॥ इदं नेवेद्यं वलिं गृह्ण
स्वाहा॥ ॐ आवाहनादिचन्दनाक्षतपूष्प
नमः॥ लिंगमूद्रा॥ जप॥ ॐ क्रौं सः स्वाहा॥ १०
इदं जपं गृहारा स्वाहा॥ ॥ ॐ श्रीसूर्याय
नारायणाय माहा देवाय आवाहनादि
चन्दनाक्षतपूष्पनमः॥ ॥ आवाहनादि
मूद्रा॥ ॐ श्रीसूर्याय नारायणाय ॐ मा

आम्रक स्थिति
ASHA REFERENCE

3048

आमन श्रमि ASMA ARCHIVE	3048	
---------------------------	------	--

ॐ
रामचन्द्रपूजा ॥ ॥ ज्ञानविनिष्ठाया ॥ गंगारो
सायनमः ॥ ज व स ॥ ॐ गुरुभ्योनमः ॥ ख व स
॥ ॐ रामपर्मितायनमः ॥ द्युस ॥ फ र ३ ॥
दिगर्वचन ॥ फ र १० ॥ वाउडके ॥ स्त्रोह ॥ द्वा स
तिय ॥ ज व द्वा पातिय ॥ ॐ रं १० ॥ निपां तिय
॥ ॐ रं १० ॥ ज व गुतो ते ॥ ॐ रं १० ॥ ॐ स्त्रोह ॥
अंगन्यास ॥ विनियानावोने ॥ ॐ श्रीं अमा वा
न सदासिव ऋषी अनुस्तु पृ ६ दः ॐ रामपर्म

त्मादेवताजपेविनीयोगः ॥ नमस्कारयाय
॥ ॐ श्रीं राममगवान् सदाशी व ऋषयेनमः
॥ सिरस ॥ ॐ श्रीं अनुस्तु पृ ६ न्येनमः ॥ मूर्खे
ॐ श्रीं रामपर्मितादेवतायेनमः ॥ हृदये ॥ ॐ
श्रीं नमोनारायरोतिवीजायनमः ॥ गुह्यः ॥
ॐ श्रीं दासार्थिरिति शक्तयेनमः ॥ पालि ॥ ॐ
श्रीं रामद्युकीलकायनमः ॥ सर्वांगे ॥ ॥ न्यास
ॐ रं ॥ अस्त्राय फ र ॥ ॐ रं ॥ अगुष्टाभ्योनमः ॥ ॐ

रीतजनीम्पानमः॥ॐ हूं मन्त्रमाभ्यां नमः
ॐ रौं अनामिकाभ्यां नमः॥ॐ रौं कनि
स्तामीकाभ्यां नमः॥ॐ रौं करतलपृष्ठाभ्यां
अस्त्राय फट् ३॥ ॥ॐ रौं हृदयाय नमः॥ॐ रौं
भिरसे नमः॥ॐ रौं शिखायै नमः॥ॐ रौं कवचा
य हूं नमः॥ॐ रौं नेत्रत्रयाय नमः॥ॐ रौं अ
स्त्राय फट् ३॥ ॥रामचन्द्राय पूजा॥ ओ
सन॥ॐ आचार्यशक्तये नमः॥ॐ अनन्ता

म्नाय नमः॥ॐ स्कन्दाय नमः॥ॐ नारा
यणाय नमः॥ॐ पद्माक्षनाय नमः॥ॐ पद्म
शनाय नमः॥ॐ केसराय नमः॥ॐ कर्णिक
ाय नमः॥ॐ हासनाय नमः॥ॐ पद्मासना
य नमः॥ ॥ॐ ॥ॐ श्रीरामनीलदी
वरतुल्यस्यामवरनीपीतावरालंकृत॥
सुधाज्ञानमयीदधानमपरां विद्युन्मि
त्रां राक्षसं॥पश्यंतीमूकूटांगदादिवि

विधै कल्पोऽन्वलागं मजे ॥ श्रीमद्वाङ्मयि
नमामि सुतरामध्वौ पूर्वदुस्तरे ॥ ॐ श्री रा
मचन्द्राय इहमन्दले व्यानपूष्यनमः ॥ ॥
ॐ श्री रामचन्द्राय आवाहनचन्द्रनाथने
पूष्यनमः ॥ ॥ आवाहने मूद्रा ॥ ॥ ॐ रा
मचन्द्राय इहागद्वर इह तिष्ठ २३ हर्षिनी
हीतामवर इहर्षिनी रुद्राभवरममपूजा
गृहारायनमः ॥ जौनि मूद्रा ज्ञाय ॥ प्रद

दिगावन्वनयाय ॥ ॥ अर्घ्याया लखतय ॥
ॐ रामचन्द्राय पार्थनमः ॥ सरवपार्थन
य ॥ ॐ रामचन्द्राय हस्तार्थनमः ॥ अर्घ्या
या लखतय ॥ ॐ रामचन्द्राय प्रत्यर्थन
मः ॥ ॥ सादुरु ॥ साधौ ॥ द्यौ ॥ कस्ति ॥
साखः ॥ लखनस्नारायाय ॥ ॥ ॐ राम
चन्द्राय चन्द्रनमः ॥ ॐ रामचन्द्राय सिन्धु

रं नमः॥ ॐ रामचन्द्राय अक्षतं नमः॥ ॐ रामच
न्द्राय ज्योतिषवितर्कं नमः॥ ॐ रामचन्द्राय पू
ष्पं नमः॥ ॥ ॐ रामचन्द्राय धूपं नमः॥ ॐ रा
मचन्द्राय दिपं नमः॥ ॐ रामचन्द्राय नैवेद्यं न
मः॥ ॐ रामचन्द्राय फलं पक्कं तावुलं पूगी फ
लं नमः॥ ॐ रामचन्द्राय आचमनीयं नमः॥ ॥
ॐ श्रीरामचन्द्राय गतो ज्योद्दं फलपूलतावुल
नैवेद्यं पक्कान् संकल्पसिद्धिरस्तु नमः॥ ॥

रामचन्द्राय गङ्गा पूजा॥ ॥ ॐ श्रीरामे चन्द्राय स्वा
स्त्यं नमः॥ ॥ ॐ श्रीरामे ह्रीं श्रीं ह्रीं नमः श्रीर
घूनाथाय नमः॥ ॥ ॐ श्रीरामे जयं जयवरा
तकाय नमः॥ ॥ ॐ श्रीरामे चंदे नमः शीताप
तये नमः॥ ॥ ॐ श्रीरामे लक्ष्मणा गार्जन
मः॥ ॥ ॐ श्रीरामे रामे रामे तं शत्रुघ्नसेवी तं च
रणा कमलपनमः॥ ॥ ॐ श्रीरामचन्द्राय गन्धे
भ्यो नमः॥ ॥ ॐ श्रीगौरी गौरी गमलवरयूने

मः॥ ॥ ध्रुवादिफानैवेद्य॥ फलानां व
सः॥ दकोपरायक्षयः॥ ॥ ताम्रजाकिहो
ले॥ ॐ रामचन्द्राय सुप्रितावलदाभवतु॥
जप॥ अर्ध्यालखनहाहायाय॥ इति स
॥ फर३॥ चक्रवोय॥ पूजा॥ अक्षोमाराय न
मः॥ जप॥ ॐ श्रीरामचन्द्राय स्वाहा॥ १०८॥
ॐ श्रीरंरीरुंरैरैरैकी नमः॥ ॐ श्रीरंमो
जय स्वाहाः॥ ॐ श्रीरंयंबंदेनमः स्वाहा

ॐ श्रीरंनैरीनमः स्वाहा॥ ॐ श्रीरंमैमै
तैनमः स्वाहा॥ ॐ श्रीं ग्रां गरापतये नमः
स्वाहा॥ ॥ इदं जपं गृहारां नमः॥ ॥ मंद
लदयके॥ विस्वाजाकितय॥ ॥ तोस्त्रवे
ने॥ ॐ गुरुभ्यो नमः॥ ॐ अखंदमंदलाका
लंयापुयेन चराचरं॥ तत्त्यदं दसितये नमः
स्मै श्रीगुरुवे नमः॥ ॥ ॐ जवाकूसूमसंका
शंकाश्वपेयमहायुती॥ तमोरिसर्वपापघ्नी

